भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †136

सोमवार, 21 जुलाई, 2025/30 आषाढ़, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

एसडीएस 2.0 के अंतर्गत ओडिशा में पर्यटन विकास

†136. श्री बैजयंत पांडाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या ओडिशा राज्य में कोरापुट, देबरीगढ़ और खिंडा गाँव के लिए स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के अंतर्गत स्वीकृत परियोजना ने पिछले वर्ष और चालू वर्ष के दौरान कोई भौतिक या वित्तीय प्रगति की है;

(ख) यदि हाँ, तो अपेक्षित समय-सीमा क्या है और हाल ही में आए पर्यटकों की संख्या कितनी है और स्थानीय अर्थव्यवस्था एवं नौकरियों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और लंबित स्वीकृतियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) गोपालपुर, बरकुल, सातपाड़ा और तमपाड़ा के लिए एसडी 1.0 के अंतर्गत स्वीकृत 70.82 करोड़ रुपये की परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ङ) कौशल विकास और आजीविका के अवसरों के माध्यम से स्थानीय जनजातीय समुदायों को शामिल करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र (यूटी) प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजना 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' के माध्यम से ओडिशा राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है। पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना (एसडी 1.0) के अंतर्गत वित्त वर्ष 2016-17 में ओडिशा राज्य में तटीय परिपथ विषय के अंतर्गत 'गोपालपुर, बरकुल, सातपदा और तमपारा का विकास' नामक परियोजना को मंजूरी दी है। परियोजना को भौतिक रूप से पूरा बताया गया है।

मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के नाम से नया रूप दिया है, जिसका उद्देश्य गंतव्य और पर्यटक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और उत्तरदायी पर्यटन स्थलों का विकास करना है। ओडिशा राज्य सरकार के परामर्श से, 'देबरीगढ़' और 'खिंडा गाँव' जैसे विशेष आकर्षण को एसडी 2.0 के अंतर्गत विकास के लिए एक गंतव्य के रूप में चिह्नित किया गया है, जिसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) अभी प्राप्त नहीं हुई है।

मंत्रालय पर्यटन अवसंरचना के विकास को इस प्रकार प्रोत्साहित करता है जिससे ऐसे स्थानीय आजीविका और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा मिले, जिसमें आदिवासी समुदाय भी शामिल हैं। इस योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का उद्देश्य कौशल विकास, स्व-रोज़गार और स्थानीय हितधारकों की सहभागिता के अवसर पैदा करना है।

****